Fy BA - sem II
Hindi - I

MN3AFW

समय : २ घंटे **पूर्णांक : ६०**

प्रश्न - १) निम्नलिखित अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए :- (१६)

(क) "सुमन ऊपर से उन्हें निष्काम भाव से सलाह देती, पर उसे मन में बड़ा दुःख होता। वह सोचती, यह सब नये – नये गहने बनवाती हैं, नये – नये कपड़े लेती हैं और यहाँ रोटियों के लाले हैं। क्या संसार में मैं ही सबसे अभागिनी हूँ?"

अथवा

"यह हमारी ही कुवासनाएं, हमारे ही सामाजिक अत्याचार, हमारी ही कुप्रथाएं हैं जिन्होंने वेश्यायों का रूप धारण किया। यह दालमंडी हमारे ही जीवन की कलुषित प्रतिबिंब, हमारे ही पैशाचिक अधर्म का साक्षात् स्वरूप है। हम किस मुंह से उनसे घृणा करें।"

(ख) "बात बहुत मामूली है कम तनख्वा दोगे, तो मुलाजिम की गुजर नहीं होगी। सौ रुपयों में सिपाही बच्चों को नहीं पाल सकता। दो सौ में इंस्पेक्टर ठाट – बाट नहीं मेनटेन कर सकता। उसे ऊपरी आमदनी करनी ही पड़ेगी।"

अथवा

"पर हम कुछ छोटे हो गये हैं। अपने आदर्शों के नारे लगाते – लगाते हम उनके अयोग्य हो गये हैं। हिमालय उन आदर्शों का देवता है, उसको अपने जीवन में लगाकर ही हम पराजय की ग्लानि धो सकेंगे।"

प्रश्न – २) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- (२४)

(च) 'सेवासदन' उपन्यास के माध्यम से दालमंडी छोड़ने से पूर्व सुमन के चरित्र पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'सेवासदन' उपन्यास के माध्यम से पद्मसिंह का चरित्र - चित्रण कीजिए।

पीछे देखिए....